पश्चिमांचल विभा

अंक-3

अक्टूबर - मार्च 2022
(संयुक्तांक)

कानारा ବ୍ୟାଙ୍କ केनरा बैंक Canara Bank

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

आवरण पृष्ठ -
हीराकुद बांध के समीप स्थित गांधी मीनार

इस अंक में.....

- अंचल प्रमुख का संदेश
- क्षेत्रीय प्रमुख का संदेश
- मंडल प्रबंधकों का संदेश
- संपादकीय
- भारतमाला—एक कदम विकास की ओर
- हिंदी प्रवाह
- हुमा का झुका मंदिर
- क्षेत्रीय कार्यालय में संविधान दिवस
- क्षेत्रीय कार्यालय में संस्थापक दिवस
- शाखाओं की समीक्षा बैठक
- बोईरगांव शाखा का उद्घाटन
- आजादी का अमृत महोत्सव के तहत नुक्कड़ नाटक
- राजभाषा संकल्प 1968
- प्रधान कार्यालय में राजभाषाई निरीक्षण
- क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर में राजभाषाई निरीक्षण
- राजभाषा संबंधी वार्षिक कार्यक्रम 2022-23
- हिंदी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन योजना
- परिचर्चा एवं संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन
- कवि परिचय— (जयशंकर प्रसाद)
- काव्य रचना
- प्रेरक कहानी— जिंदगी के पत्थर, कंकड़ और रेत
- क्षेत्रीय कार्यालय को प्राप्त प्रशंसा पत्र
- क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शाखाओं को जारी प्रशंसा पत्र
- अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर को तृतीय पुरस्कार

संरक्षक

श्री बी एल मीना

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

प्रधान संपादक

श्री अजीत कुमार

सहा.महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

मार्गदर्शन

श्री एस के नाएक

श्री विकास कुमार राव

मंडल प्रबंधक

संपादक

श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू

प्रबंधक (राजभाषा)

संपादन सहयोग

क्षेत्रीय कार्यालय एवं क्षेत्राधीन समस्त स्टाफ सदस्य

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय केनराइट्स,

"पश्चिमांचल विभा"* के तीसरे अंक का प्रकाशन क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का द्योतक है।** हमारा बैंक राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सदैव प्रयासरत है, यह पत्रिका इस तथ्य को प्रमाणित करती है। मुझे ज्ञात हुआ है कि क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की ओर से वर्ष 2020 -21 में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के लिए मैं क्षेत्रीय प्रमुख एवं सभी कार्मिकों को अनन्य शुभकामनाएं ज्ञापित करता हूँ। हिंदी भाषा के संबंध में ***महात्मा गांधी ने कहा था:

"राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता एवं उन्नति के लिए आवश्यक है।"

हमारा बैंक हिंदी को आंतरिक कार्यों की भाषा बनाने के लिए नित नवीन उपायों को कार्यान्वित कर रहा है।

हमारे अंचल ने मार्च 2022 की स्थिति में रू. 27437.76 करोड़ के समग्र कारोबार का जादुई आंकड़ा प्राप्त किया है, जिसके लिए मैं आप सभी के कार्य निष्पादन की सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी भविष्य में भी इसी तरह हमारे बैंक के कारोबार के विकास में अपना योगदान देते रहेंगे।

अशेष शुभकामनाओं के साथ,

(बी एल मीना)

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, भुवनेश्वर अंचल

सहा महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख का संदेश

प्रिय केनराइट्स,

"पश्चिमांचल विभा" के तृतीय अंक का प्रकाशन अनेक अर्थों में महत्वपूर्ण है। सर्वप्रथम यह क्षेत्र में राजभाषा की अनवरत प्रगति को दर्शाती है, द्वितीय क्षेत्र के कारोबार एवं अन्य गतिविधियों को कार्मिकों, उच्च कार्यालयों एवं पदाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करती है। ज्ञातव्य हो कि हमारे क्षेत्र ने आवंटित किए गए विभिन्न मानदंडों के सापेक्ष अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है, जिस कारण उच्च कार्यालयों से हमें प्रशंसापत्र भी प्राप्त हुए हैं। बैंक के कारोबार में उत्तरोत्तर विकास के लिए भविष्य में भी हमें इसी प्रकार की प्रगति बरकरार रखना अनिवार्य है। भाषा ने सदैव लोगों को जोड़ा है और यह अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम भी है। बैंकिंग के परिदृश्य में भी भाषा विशेषकर हिंदी का महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे बैंक में सीबीएस में हिंदी का कार्यान्वयन, ग्राहकों के लिए उपयोग में आने वाले फॉर्मों को द्विभाषी/त्रिभाषी रूप में तैयार करना, प्रचार-प्रसार की सामग्रियों को द्विभाषी/त्रिभाषी रूप में तैयार करना आदि कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेरा आग्रह है कि आप सभी आम बैंकिंग में हिंदी का प्रयोग प्रमुखता से करते हुए ग्राहक-आधार बढ़ाएं। हमारे क्षेत्र प्रगतिशील है जहां कारोबार की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं, हमें उन संभावनाओं की तलाश करते हुए उन्हें कारोबार में परिणित करना होगा।

सफलता की अनंत शुभकानाओं के साथ,

(अजीत कुमार जग्गा)

सहा महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख

मंडल प्रबंधक का संदेश

प्रिय केनेराइट्स,

हमारे कार्यालय की पत्रिका *"पश्चिमांचल विभा"* का तृतीय अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। क्षेत्र में राजभाषा का प्रसार समुचित रूप से हो रहा है, जिसकी झलक आपको इस पत्रिका में देखने को मिलेगी। इस अंक में राजभाषा से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ सामान्य बैंकिग से जुड़े कार्यकलापों को भी प्रकाशित किया गया है। हमारे क्षेत्र ने कारोबार के सभी मानदंडों में प्रगति दर्ज की है जिसमें आप सभी का योगदान अवश्य ही रहा है। बैंक ने समग्र रूप से सभी क्षेत्रों में अपने कारोबार में वृद्धि प्राप्त की है, जिसका प्रतिफल आगमी माह में वित्तीय वर्ष के कारोबार के परिणामों के रूप में परिलक्षित होगा।

मेरा अनुरोध है कि आप कारोबार में अपनी भूमिकाओं के साथ राजभाषा के विकास के लिए भी प्रयत्नरत रहें।

शुभकामनाओं सहित,

(सुशांत कुमार नाएक)

मंडल प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर

मंडल प्रबंधक का संदेश,

प्रिय केनेराइट्स,

क्षेत्र की गृह पत्रिका *"पश्चिमांचल विभा"* के तृतीय अंक के माध्यम से आपसे फिर से संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। हिंदी हमारे कार्य का एक भाग है, हमें अपने आंतरिक कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करना होगा। इस प्रकार एक साथ दो लक्ष्यों को साधाजा सकता है, पहला स्वयं का व्यक्तित्व विकास एवं दूसरा कुशल ग्राहक सेवा। हिंदी भाषा प्रायः देश के बड़े हिस्से में बोली व समझी जाती है, इस प्रकार हिंदी भाषा पर अधिकार से संभावित ग्राहकों तक पहुंचने के रास्ते खोल देते हैं। इस प्रकार स्वयं के साथ-साथ हमारी बैंक के लिए भी हिंदी का प्रयोग लाभप्रद है।

इस वित्तीय वर्ष में आपने अपना पूर्ण योगदान देते हुए क्षेत्र के कारोबार में वृद्धि की है, जो निश्चय ही संपूर्ण बैंक के विकास के लिए कारगर सिद्ध होगी। हमने आप सभी के सहयोग से आबंटित विभिन्न मानदंडों के लक्ष्यों के सापेक्ष उत्तम प्रगति दर्ज की है। बैंकिंग उद्योग के इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में हमारे बैंक को शिखर पर ले जाने का केवल एक और एक ही जरिया है और वो कठिन परिश्रम है। मुझे आशा आप कठिन परिश्रम से हमारी संस्था को विकास के पथ पर अग्रसर करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(विकास कुमार राव)

संपादकीय

प्रिय साथियों,

हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर की गृह-पत्रिका ***"पश्चिमांचल विभा"*** का यह तृतीय अंक (अक्टूबर - मार्च 2022) आपको सौंपते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अंक को आकर्षक बनाने के लिए हमने भर्सक प्रयास किया है तथा विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों, राजभाषा में किए गए कार्यों, हमारे क्षेत्र की सफलताओं/ उपलब्धियों को समाहित किया है। भाषा सदैव संचार का सबसे उत्तम माध्यम है। हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का मुख्य कारण यह है कि हिंदी सहज एवं सरल है, साथ ही कोई भी हिंदीतर भाषा-भाषी बड़ी ही आसानी से कम समय में हिंदी सीख सकता है। हमारे देश में प्रचलित रूप से कहा जाता है कि

"कोस-कोस में पानी बदले और चार कोस में बानी"

राजभाषा हिंदी इन अनन्य भाषाओं/ बोलियों को एक धागे में बांधने का काम करती है। मेरा विश्वास है कि आप हिंदी का प्रयोग अपने दैनिक कार्य-कलापों में करेंगे और क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन को नई ऊंचाईयों तक ले जाएंगे।

राजभाषा के कार्यान्वयन में आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ,

(विश्वनाथ प्रसाद साहू)
राजभाषा अधिकारी

भारतमाला परियोजना – एक कदम विकास की ओर

देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण अनेकों माध्यमों में से एक सड़क निर्माण भी है। सरकार ने इसी पहलू पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए कई नवोन्वेषी पहल की हैं एवं पूरे देश में आवागमन की स्थिति को सुदृढ़ करने के संकल्प से भारतमाला परियोजना की घोषणा 30 अप्रैल, 2015 की है। भारतमाला परियोजना भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी परियोजना है जिसके तहत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भारत के अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों को सड़कों से जोड़ा जाएगा। भारतमाला परियोजना पर काम गुजरात और राजस्थान से शुरू होगा तथा इसके बाद पंजाब और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में सड़कें बनाई जाएंगी, फिर उत्तर प्रदेश और बिहार से होते हुए पूर्वोतर के राज्य सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मिजोरम में भारत-म्यांमार बॉर्डर तक सड़कें बनाने की योजना है। इसके अंतर्गत भारत के प्रमुख तटीय नगरों के बीच 4-6 लेन वाले राजमार्गों का विकास किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत गुजरात से मिजोरम के मध्य 15 राज्यों को सड़क मार्ग से जोड़ने योजना बनाई गई है।

भारतमाला परियोजना की रूपरेखा:

इसके अंतर्गत आर्थिक कॉरिडोर, फीडर कॉरिडोर और इंटर कॉरिडोर, राष्ट्रीय कॉरिडोर, तटवर्ती सड़कें, बंदरगाह संपर्क सड़कें आदि का निर्माण किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की अवधि वर्ष 2017-18 से वर्ष 2021-22 तक है। चरण-1 में कुल 34,800 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाना है, जिसमें शामिल हैं:

1. 5,000 किलोमीटर राष्ट्रीय कॉरिडोर।
2. 9,000 किलोमीटर आर्थिक कॉरिडोर।
3. 6,000 किलोमीटर फीडर कॉरिडोर और इंटर कॉरिडोर।
4. 2,000 किलोमीटर सीमावर्ती सड़कें।
5. 2,000 किलोमीटर तटवर्ती सड़कें एवं बंदरगाह संपर्क सड़कें।
6. 800 किलोमीटर हरित क्षेत्र एक्सप्रेस वे।
7. 10,000 किलोमीटर अधूरे सड़क निर्माण कार्य।

राजमार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत स्वर्णिम चतुर्भुज और उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के अंतर्गत भारत में पहले ही पर्याप्त राजमार्गों का निर्माण किया जा चुका है। भारतमाला के पहले चरण में 550 जिले कवर होंगे। वर्तमान में सिर्फ 350 जिलों से ही राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं। 34 जिलों में सड़कों में लेन बढ़ाई जाएगी जबकि 35 शहरों में लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा 700 जगहों पर सड़क किनारे यात्री सुविधाओं (रोड साइड एमेनिटीज) का निर्माण होगा। परियोजना के तहत 44 नए आर्थिक गलियारे बनाए जाएंगे. इनमें दिल्ली-लखनऊ, अमृतसर-जामनगर, आगरा-मुंबई, अमृतसर-जामनगर, रायपुर-धनबाद, लुधियाना-अजमेर, संबलपुर-रांची, खड़गपुर-सिलीगुड़ी, सागर-वाराणसी, दिल्ली-कानपुर, सागर-लखनऊ तथा जयपुर-इंदौर प्रमुख हैं। भारतमाला के तहत 65 अंतर-कारीडोर के अलावा 115 फीडर सड़कों का निर्माण भी होगा। परियोजना के तहत प्रमुख शहरों में रिंग रोड के निर्माण का भी प्रस्ताव है, इनमें दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, आगरा, लखनऊ, वाराणसी, पटना, रांची, धनबाद, इंदौर व जयपुर के नाम शामिल हैं. सात एक्सप्रेसवे में कानपुर-लखनऊ, दिल्ली-अमृतसर-कटरा, दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के नाम शामिल हैं।

'हिंदी प्रवाह'

दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन में हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु की गई अनुशंसाओं पर अमल करते हुए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा हिंदी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्मिकों के साथ-साथ जनसाधारण को हिंदी भाषा का उच्चतर ज्ञान कराने के लिए "हिंदी प्रवाह" नामक एक नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है । 'लीला हिंदी प्रवाह' से विश्व के प्रत्येक भाग के और प्रत्येक वर्ग के लोग लाभान्वित होंगे । 'हिंदी प्रवाह' में अलग-अलग विधाओं के कुल 20 पाठ संकलित किए गए हैं । प्रत्येक वर्ग के पाठक की रुचि के अनुरूप पाठों को 'हिंदी प्रवाह' में स्थान दिया गया है ।

2. 'हिंदी प्रवाह' का भाव पक्ष जितना सबल है, तकनीकी पक्ष भी उतना ही मजबूत है। इस पाठ्यक्रम को भी 'लीला पैकेज' प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ की भाँति अंग्रेजी के अलावा 14 भारतीय भाषाओं क्रमशः असमिया, बोडो, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल एवं तेलुगू के माध्यम से जनसाधारण तक ऑनलाइन वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध कराया गया है।

3. 'लीला हिंदी प्रवाह' के वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप के लिए तैयार किए गए सभी पाठों को 'पाठ एवं शब्दावली' नामक दो भागों में विभाजित किया गया है। पाठ में ऑडियो-वीडियो सुविधा के साथ-साथ चयनित भाषा में अनुवाद प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। शब्दावली भाग में पाठ के सभी शब्दों के अर्थ यूज़र द्वारा चयनित भाषा में भी दिए गए हैं।

4. 'लीला हिंदी प्रवाह' के वेबवर्जन एवं मोबाइल ऐप में पाठों से संबंधित शब्दों को समझने एवं समझाने के लिए बृहत शब्दावली की व्यवस्था भी की गई है। इस बृहत शब्दावली में पाठों में सम्मिलित शब्दों के अर्थ यूज़र द्वारा चयनित भाषा में वर्णक्रमानुसार दिए गए हैं। इस भाग की विशेषता यह है कि इसमें शब्दों के उच्चारण के साथ-साथ रिकॉर्ड एवं कम्पेयर सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। यूज़र, पाठ में आए शब्दों का अर्थ अपनी भाषा में देखने एवं जानने के अलावा हिंदी में उनका उच्चारण सुनने के बाद स्वयं उस शब्द को बोलकर रिकॉर्ड कर सकते हैं और फिर मूल शब्द एवं स्वयं द्वारा रिकॉर्ड किए हुए शब्द को एक के बाद एक सुनकर उच्चारण संबंधी अपनी कमियों को दूर कर सकते हैं। यूज़र, अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहें, जितना चाहें और जितनी बार चाहें, इस पाठ्यक्रम को पढ़ सकते हैं।

अंत में यह कहना उचित होगा कि **'हिंदी प्रवाह' राजभाषा विभाग की ओर से गागर में सागर भरने का एक प्रयास है ।**

******

हुमा का झुका मंदिर

हुमा का झुका मंदिर दुनिया में अकेला झुका हुआ मंदिर है। संबलपुर से लगभग 23 किमी दूर दक्षिण में स्थित झुका मंदिर महानदी के तट पर स्थित हुमा गांव में स्थित है। यह मंदिर भगवान बिमलेश्वर को समर्पित है। मंदिर के निर्माण का श्रेय एक दूधवाले को जाता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार एक दूधवाला हर दिन महानदी नदी को पार किया करता था। प्रत्येक चक्कर के बाद, दूधवाला भगवान शिव का पूजन करता और फिर उसके बाद दूध चढ़ाता, जो वहां स्थित चट्टान पी जाती थी। यह बात जल्द ही फैल गई और गंगा वंशी सम्राट अनंगभीम देव- III ने इस मंदिर का निर्माण किया था। संबलपुर के पांचवें चौहान राजा, राजा बलियर सिंह (1660-1690 ई.) द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार किया गया था। मंदिर क्यों झुका हुआ है, यह रहस्य ही बना रहा। इस झुकाव ने इतिहासकारों, मूर्तिकारों और अन्य शोधकर्ताओं को आकर्षित किया है। आश्चर्य की बात यह है कि मुख्य मंदिर एक दिशा में झुका हुआ है, जबकि अन्य छोटे मंदिर अन्य दिशाओं में झुके हुए हैं। मंदिर परिसर के भीतर यानी मंदिर की सीमाओं के भीतर, सब कुछ झुकी हुई स्थिति में है, जिसमें स्वयं सीमाएँ भी शामिल हैं, और ग्रामीणों और पुजारियों का कहना है कि पिछले 40 या 50 वर्षों में झुकाव का कोण नहीं बदला है। झुकाव एक भूवैज्ञानिक कारण से हो सकता है; अंतर्निहित चट्टान संरचना में असमान हो सकती है।

शिवरात्रि पर हर साल मार्च में मंदिर की तलहटी में एक वार्षिक मेला लगता है । यह मेला भारी भीड़ को आकर्षित करता है जिसमें विदेशी आगंतुक भी शामिल होते हैं। यहां एक विशेष प्रकार की मछली पाई जाती है जिसे 'कुडो' मछली के नाम से जाना जाता है; उन्हें अक्सर आगंतुकों द्वारा खिलाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि कोई भी कूडो मछली को पकड़ने के लिए शाप से पत्थर में बदल जाता है, मंदिर में एक महिला की पत्थर की मूर्ति है जो कूडो मछलियों में से एक को काट रही है, कहा जाता है कि वह शाप से प्रभावित होकर पत्थर बन गई।

ঙ্গO৯

संविधान की उद्देशिका

उद्देशिका

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी
पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए,
तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार,
अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख
26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत्
दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को
अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर में "संविधान दिवस"

दिनांक 26.11.2021 को संविधान दिवस के दिन क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के सभागार में सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। इस क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा जी ने सभी कार्मिकों को संबोधित करते हुए संविधान के महत्व को प्रतिपादित किया और बताया कि हमारे देश का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व), कोलकाता, राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक (कार्या.) श्री निर्मल कुमार दुबे, क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार जग्गा, मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नाएक एवं श्री विकास कुमार राव तथा आरएएच के मंडल प्रबंधक श्री एम मुआखिया तथा समस्त सदस्यों ने संविधान की उद्देशिका का पठन किया।

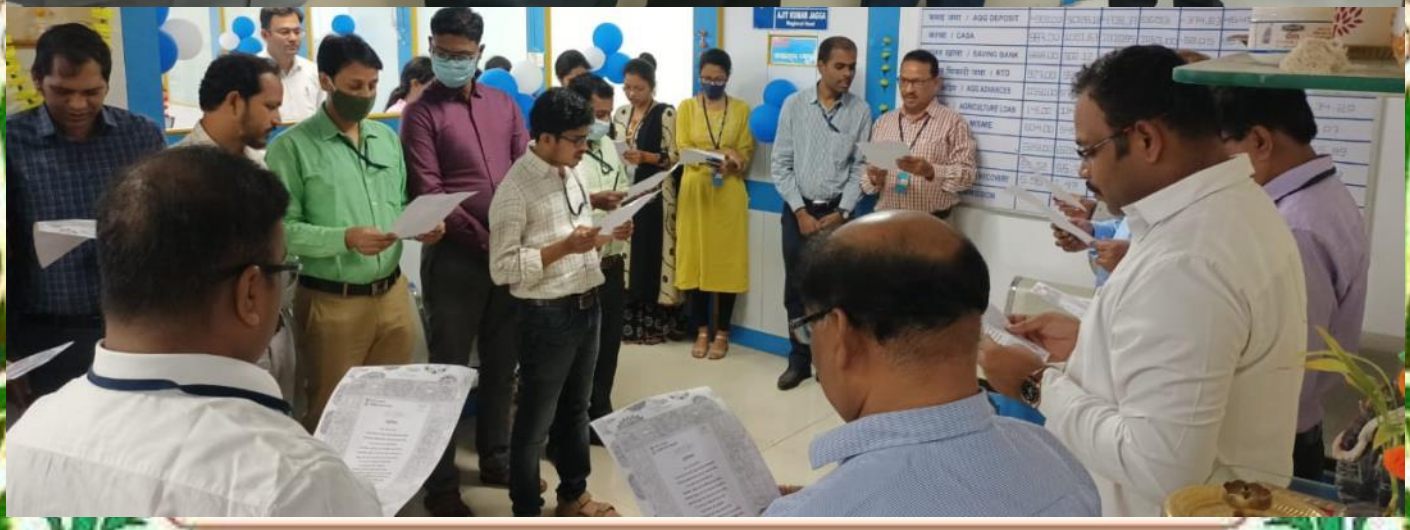

क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर में 116वां संस्थापना दिवस 2021

स्व. श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै
संस्थापक, केनरा बैंक

दिनांक 19.11.2021 को संबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में हमारे बैंक का 116वां संस्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा, क्षेत्र के दोनों मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नाएक एवं श्री विकास कुमार राव, आरएएच के मंडल प्रबंधक श्री मनमोहन मुआखिआ, संबलपुर मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री देबदत्त लेंका, बुढ़ारजा शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक श्री निराकार भोई, वरिष्ठ प्रबंधक संबलपुर शाखा –II के वरिष्ठ प्रबंधक श्री बिजय कुमार नाएक तथा क्षेत्रीय कार्यालय, आरएएच संबलपुर एवं एमएसएमई सुलभ के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। प्रधान कार्यालय से विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संस्थापना दिवस कार्यक्रम से कार्यालय को जोड़ा गया। प्रधान कार्यालय से मुख्य महाप्रबंधक, मानव संसाधन विभाग द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात कार्यपालक निदेशकों तथा प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एल वी प्रभाकर ने बैंक के सभी क्षेत्रीय एवं अंचल कार्यालय से जुड़े केनराइट्स को संबोधित किया।

क्षेत्रीय प्रमुख, कार्यपालकगण, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य कर्मचारियों ने हमारे प्रिय संस्थापक स्व. श्री अम्मेबाल सुब्बाराव पै को माल्यार्पण एवं पुष्पार्पित किया। इस अवसर पर बैंक के तीन महत्वपूर्ण ग्राहकों को सम्मानित भी किया गया। क्षेत्र प्रमुख द्वारा बैंक के विकास में सभी की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। मंडल प्रबंधक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

116वें संस्थापना दिवस 2021 की झलकियां

दिनांक – 15.03.2022 को शाखाओं की व्यवसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 15.03.2022 को दिसंबर तिमाही के लिए संबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाली शाखाओं की व्यवसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस समीक्षा बैठक में अंचल कार्यालय भुवनेश्वर से पधारे महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, श्री बी एल मीना जी द्वारा शाखाओं के व्यवसाय की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जी, मंडल प्रबंधक श्री एस के नायक जी, श्री विकास कुमार राव जी तथा सभी शाखाओं/कार्यालयों के प्रभारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक का आरंभ हमारे प्रिय संस्थापक को पुष्पार्पण से किया गया। श्री दीपक कुमार जुनेजा, वरिष्ठ प्रबंधक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

महाप्रबंधक ने शाखा प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे अंचल का प्रदर्शन समग्र रूप से अच्छा है। अंचल ने वर्तमान में रू. 29000 करोड़ के कारोबार का आंकड़ा पार कर लिया है तथा आप सबके सहयोग से रू. 30000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रहा है। शाखाओं की समीक्षा के बाद शाखा प्रमुखों से संवाद किया एवं अपेक्षित मार्गदर्शन प्रदान किया।

क्षेत्रीय प्रमुख ने क्षेत्र की विभिन्न मानदंडों में प्रगति को महाप्रबंधक के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, सभी शाखा प्रमुखों से इस वित्त वर्ष के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों को शामिल करना सुनिश्चित करते हुए बैंक के कारोबार का विकास करने का आह्वान किया तथा किसी भी प्रकार के समस्या के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। श्री मनमोहन मुआखिआ, मंडल प्रबंधक, आरएआच, संबलपुर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समीक्षा बैठक का समापन हुआ।

दिनांक 29.04.2022 क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के तहत बोईरगांव शाखा का उद्घाटन

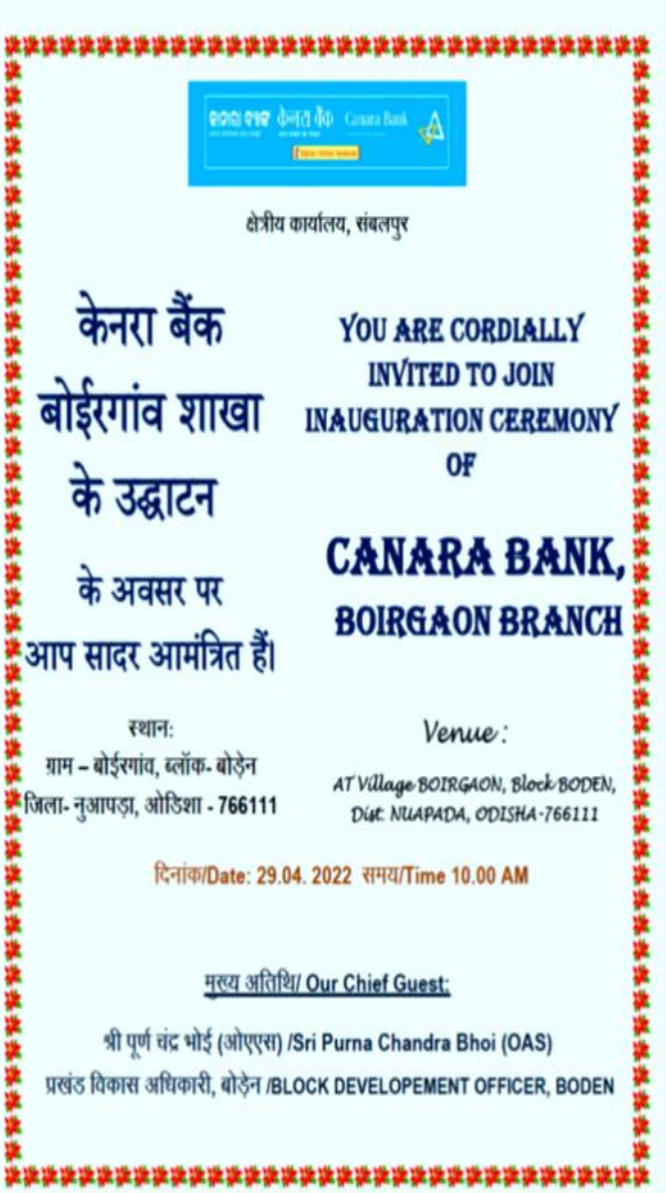

केनरा बैंक देश के सभी वर्गों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए संबलपुर क्षेत्र के तहत नुआपड़ा जिले के बोईरगांव शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि **श्री राजेश मेहेर, तहसीलदार, बोड़ेन द्वारा** किया गया। नई शाखा के उद्घाटन समारोह में **श्रीमती मीना कु. अग्रवाल, सीडीपीओ, बोड़ेन, श्रीमती स्मृति सिंह माझी, जिला परिषद अध्यक्ष, श्रीमती हेमाद्री जगत, सरपंच बोईरगांव तथा संबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार जग्गा, मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नायक तथा बोईरगांव शाखा के शाखा प्रमुख श्री सतीश कुमार होता, नुआपड़ा शाखा के शाखा प्रमुख श्री आदित्य कुमार साहू** एवं स्थानीय गणमान्य अतिथि शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस शाखा के शुभारंभ से स्थानीय जनता को भी आसानी से बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी। क्षेत्रीय प्रमुख ने ग्रामीणों से केनरा बैंक से जुड़ने का आह्वान किया।

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर द्वारा देश की आजादी के 75वें वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। हमारे क्षेत्र द्वारा दिनांक 29.12.2021 को बैंक के ग्राहकों एवं सामान्य जनता में आजादी के महत्व को प्रस्फूटित करने के लिए देश के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले देश भक्तों की अमर कहानियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से क्षेत्राधीन बरगढ़ शाखा I एवं II के समन्वय से बरगढ़ नगर के सरकारी में सुबह 10.00 बजे एवं प्राइवेट बस स्टैंड में 11.30 बजे क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार जग्गा के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति सर्मपण नाट्य अनुष्ठान, बरगढ़ के कलाकारों द्वारा की गई।

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय से कृषि वित्त एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ प्रबंधक श्री दीपक कुमार जुनेजा, राजभाषा अधिकारी श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू, विशेष सहायक श्री मानस रंजन चांद , बरगढ़ शाखा- I के शाखा प्रमुख श्री अंजन कुमार साहू, अधिकारी प्रकाश चंद्र दाश तथा बरगढ़ शाखा - II के शाखा प्रमुख श्री देवसहाय केरकेट्टा, विभुति भूषण खडंगा उपस्थित रहे।

कृषि वित्त एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अनुभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

दिनांक 29.12.2021 को प्राइवेट बस स्टैंड, बरगढ़ में आयोजित किए गए नुक्कड़ नाटक की झलकियां

दिनांक 29.12.2021 को सरकारी बस स्टैंड, बरगढ़ में आयोजित किए गए नुक्कड़ नाटक की झलकियां

राजभाषा संकल्प 1968

"जबकि संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी रहेगी और उसके अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी भाषा का प्रसार, वृद्धि करना और उसका विकास करना ताकि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सब तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम हो सके, संघ का कर्तव्य है:

यह सभा संकल्प करती है कि हिंदी के प्रसार एंव विकास की गति बढ़ाने के हेतु तथा संघ के विभिन्न राजकीय प्रयोजनों के लिए उत्तरोत्तर इसके प्रयोग हेतु भारत सरकार द्वारा एक अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और उसे कार्यान्वित किया जाएगा और किए जाने वाले उपायों एवं की जाने वाली प्रगति की विस्तृत वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट संसद की दोनों सभाओं के पटल पर रखी जाएगी और सब राज्य सरकारों को भेजी जाएगी।

जबकि संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी के अतिरिक्त भारत की 21 मुख्य भाषाओं का उल्लेख किया गया है , और देश की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उन्नति के लिए यह आवश्यक है कि इन भाषाओं के पूर्ण विकास हेतु सामूहिक उपाए किए जाने चाहिए :

यह सभा संकल्प करती है कि हिंदी के साथ-साथ इन सब भाषाओं के समन्वित विकास हेतु भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से एक कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और उसे कार्यान्वित किया जाएगा ताकि वे शीघ्र समृद्ध हो और आधुनिक ज्ञान के संचार का प्रभावी माध्यम बनें।

जबकि एकता की भावना के संवर्धन तथा देश के विभिन्न भागों में जनता में संचार की सुविधा हेतु यह आवश्यक है कि भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों के परामर्श से तैयार किए गए त्रि-भाषा सूत्र को सभी राज्यों में पूर्णत कार्यान्वित करने के लिए प्रभावी किया जाना चाहिए :

यह सभा संकल्प करती है कि हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी तथा अंग्रेजी के अतिरिक्त एक आधुनिक भारतीय भाषा के, दक्षिण भारत की भाषाओं में से किसी एक को तरजीह देते हुए, और अहिंदी भाषी क्षेत्रों में प्रादेशिक भाषाओं एवं अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी के अध्ययन के लिए उस सूत्र के अनुसार प्रबन्ध किया जाना चाहिए।

और जबकि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि संघ की लोक सेवाओं के विषय में देश के विभिन्न भागों के लोगों के न्यायोचित दावों और हितों का पूर्ण परित्राण किया जाए

यह सभा संकल्प करती है कि-

ए. कि उन विशेष सेवाओं अथवा पदों को छोड़कर जिनके लिए ऐसी किसी सेवा अथवा पद के कर्त्तव्यों के संतोषजनक निष्पादन हेतु केवल अंग्रेजी अथवा केवल हिंदी अथवा दोनों जैसी कि स्थिति हो, का उच्च स्तर का ज्ञान आवश्यक समझा जाए, संघ सेवाओं अथवा पदों के लिए भर्ती करने हेतु उम्मीदवारों के चयन के समय हिंदी अथवा अंग्रेजी में से किसी एक का ज्ञान अनिवार्यत होगा; और

बी. कि परीक्षाओं की भावी योजना, प्रक्रिया संबंधी पहलुओं एवं समय के विषय में संघ लोक सेवा आयोग के विचार जानने के पश्चात अखिल भारतीय एवं उच्चतर केन्द्रीय सेवाओं संबंधी परीक्षाओं के लिए संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित सभी भाषाओं तथा अंग्रेजी को वैकल्पिक माध्यम के रूप में रखने की अनुमति होगी।"

दिनांक 07.10.2022 को ऋण जन संपर्क कार्यक्रम के तहत में केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर द्वारा स्थापित स्टॉल

दिनांक 25.01.2022 को आयोजित हिन्दी प्रतिनिधि बैठक का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर में दिनांक 25.01.2021 को हिन्दी प्रतिनिधि बैठक का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर एवं ब्रह्मपुर के स्टाफ सदस्यों को शामिल किया गया। बैठक में कुल 29 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया जिसमें 19 क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर एवं 10 क्षेत्रीय कार्यालय ब्रह्मपुर के कार्मिक शामिल हुए। यह बैठक अध्ययन एवं विकास केंद्र, भुवनेश्वर के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से की गई।

इस बैठक को श्री अभय नाथ मिश्र, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर और श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू, अधिकारी (राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर द्वारा संबोधित किया गया। सदस्यों को संघ की राजभाषा नीति, प्रोत्साहन योजनाओं एवं राजभाषा संबंधी अन्य पहलुओं से अवगत कराने के साथ-साथ हिंदी प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, स्टाफ सदस्यों को शाखा के दैनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने एवं बैंक की गृह पत्रिका **"केनरा ज्योति" एवं श्रेयस** में स्वलिखित आलेख भेजने, हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित भी किया गया।

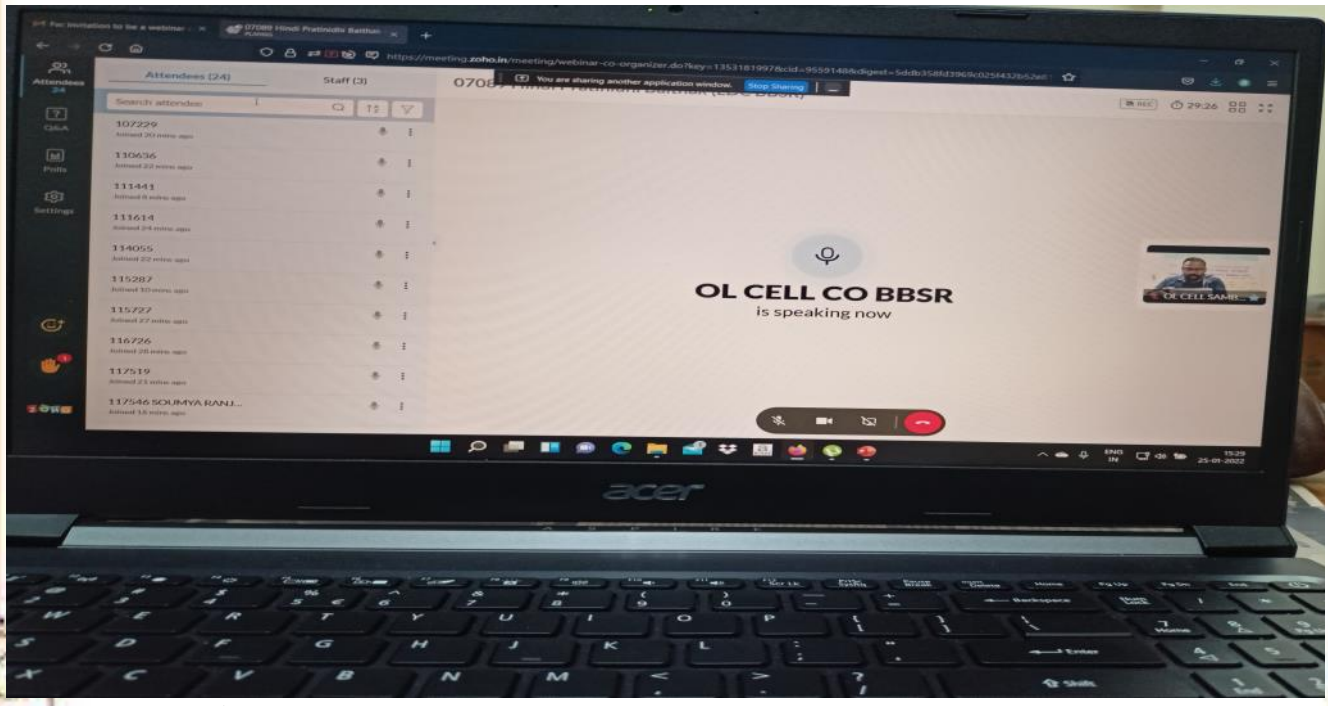

हिंदी प्रतिनिधियों के बैठक के माध्यम से श्री रूद्राचारी, सहायक महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय भुवनेश्वर से जुड़े एवं प्रतिभागियों को आबंटित किए गए 12 अनिवार्य CanDLE पाठ्यक्रम पूरा करने एवं शाखा सभी पात्र अधिकारियों को भी इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने की सलाह दी।

अंत में राजभाषा अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हिंदी प्रतिनिधि बैठक का समापन हुआ।

क्षेत्राधीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सहभागिता

क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर के तहत 4 कार्यालय/शाखाएं क्रमशः क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर, राउरकेला मुख्य शाखा, केंदुझर एवं अनुगुल नराकास की सदस्य हैं, जिनमें से अक्टूबर से मार्च 2022 के दौरान दिनांक 25.11.2022 को नराकास, संबलपुर, दिनांक 08.02.2022 को नराकास, केंदुझर एवं दिनांक 23.02.2022 को नराकास, राउरकेला में छमाही बैठक का आयोजन किया गया। इन बैठकों में संबंधित शाखा/कार्यालय के प्रभारियों के साथ राजभाषा अधिकारी द्वारा भाग लिया गया। दिनांक 25.11.2021 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की छमाही बैठक में हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को वित्त वर्ष 2020-21 में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए "प्रोत्साहन पुरस्कार" प्रदान किया।

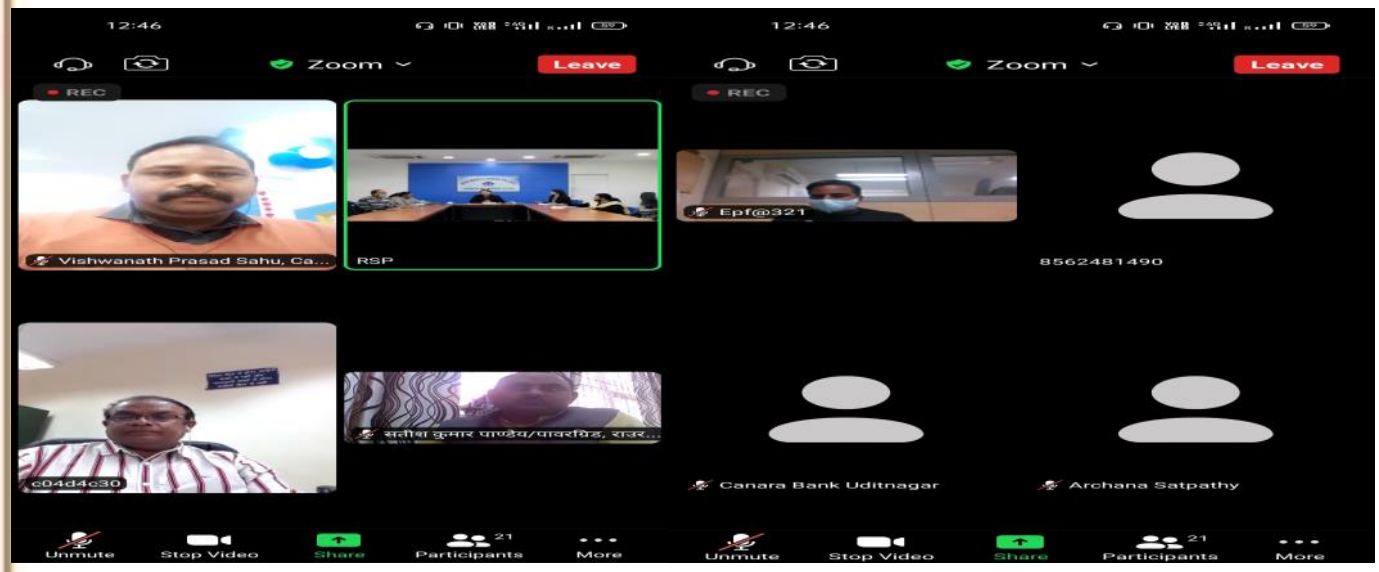

दिनांक 08.02.2022 को नराकास, केंदुझर की छमाही बैठक में हमारे बैंक की प्रतिभागिता

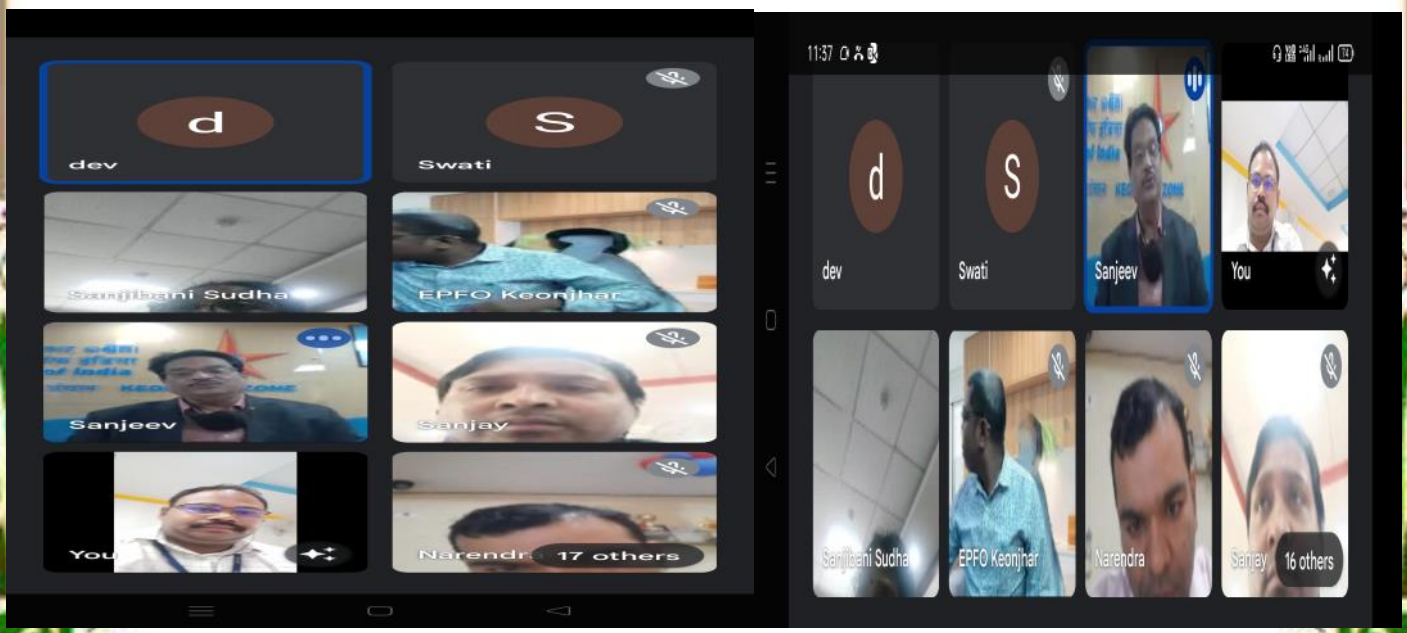

दिनांक 23.02.2022 को नराकास, राउरकेला की छमाही बैठक में हमारे बैंक की प्रतिभागिता

राजभाषा अनुभाग, मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय, बंगलूरू
Official Language Section, Human Resources Wing, Head Office, Bengaluru
बुलेटिन संख्या :19/2021 दिनांक : 10.12.2021

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण

दिनांक: 08 दिसम्बर, 2021

श्री भीम सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण दिनांक 08 दिसम्बर, 2021 को किया गया। सर्वप्रथम उन्होंने राजभाषा प्रदर्शनी का निरीक्षण किया।

श्री शंकर एस, मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग ने श्री भीम सिंह, उप निदेशक (राजभाषा) का स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि केनरा बैंक में राजभाषा नीति, नियमों का अनुपालन सही ढंग से हो रहा है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित अंतराल में होती है जिसकी अध्यक्षता हमारे प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वयं करते है और बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि हमारे बैंक में सीबीएस का हिंदी वर्शन कर दिया गया है।

श्री एच एम बसवराज, उप महाप्रबंधक ने बैंक में हो रहे राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों की जानकारी पावर प्वाइंट प्रस्तुति में दी। साथ ही तिमाही प्रगति रिपोर्ट एसटीआर 18 को ऑनलाइन कराना, कार्डों पर पूर्व मुद्रित जानकारी को हिंदी में करवाना, हिंदी में परिचर्चा, संगोष्ठियों का आयोजन जैसे विषयों पर प्रकाश डाला।

श्री भीम सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय ने हमारे बैंक द्वारा हिंदी कार्यान्वयन पर अपनी संतुष्टी जाहिर की और प्रधान कार्यालय के कुछ विभागों का निरीक्षण भी किया और राजभाषा कार्यान्वयन का जायजा लेते हुए पत्राचार संबंधी अभिलेखों को और बेहतर ढंग से रखे जाने पर जोर दिया।

क्षेकाका (पूर्व), कोलकाता, राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक (कार्या.) द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर का राजभाषाई निरीक्षण

क्षेकाका (पूर्व), कोलकाता, राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक (कार्या.) श्री निर्मल कुमार दुबे द्वारा दिनांक 26.11.2021 को हमारे कार्यालय का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान निरीक्षणकर्ता के समक्ष संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही, कार्यालय की 22वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रमुख एवं दोनों मंडल प्रमुखों के साथ समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सहायक निदेशक महोदय को क्षेत्र में राजभाषा की स्थिति से अवगत कराया गया साथ ही कार्यालय टिप्पण, नियमित आधार पर जारी होने वाले पत्रों, पत्र शीर्ष, हिंदी के संबंध में बैंक की पुरस्कार योजनाओं आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक निदेशक महोदय द्वारा हमारे क्षेत्रीय कार्यालय की ई-पत्रिका **"पश्चिमांचल विभा"** के द्वितीय अंक का भी विमोचन किया तथा समिति के सदस्यों का मार्गदर्शन किया।

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2022-23 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति 100%	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4.ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 90%	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 55%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल सामग्री अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/ डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद।	100%	100%	100%

11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण	वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण		
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति	वर्ष में 2 बैठकें		
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)		
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/ उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हो।	40%	30%	20%

(न्यूनतम अनुभाग)

सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, जहां अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है, "क" क्षेत्र में कुल कार्य का 40%, "ख" क्षेत्र में 25% और "ग" क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए।

प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ एवं पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण करने पर की प्रोत्साहन योजनाएं (परिपत्र सं 289/2010 एवं 584/2021)

हिन्दी परीक्षाएं उत्तीर्ण /हिन्दी में काम करने पर देय प्रोत्साहन /भर्ते
(कोष्ठकों में दिये गए आंकडें **1.1.2010** से पहले की दरें हैं)

क्रम सं.	परीक्षा का नाम	हिन्दी का स्तर	उत्तीर्ण लेकिन 70% से कम		स्वप्रयास से उत्तीर्ण होने पर		70% या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने पर		स्वप्रयास से उत्तीर्ण व 70% या उससे अधिक अंक	
			(रु.)		(रु.)		(रु.)		(रु.)	
			वर्तमान	संशोधित	वर्तमान	संशोधित	वर्तमान	संशोधित	वर्तमान	संशोधित
01	हिन्दी शिक्षण योजना (एच टी एस)	क) प्रबोध	(400)	4000	(400)	4000	(600)	6000	(800)	8000
		ख) प्रवीण	(500)	5000	(500)	5000	(750)	7500	(1000)	10000
		ग) प्राज्ञ	(600)	6000	(600)	6000	(900)	9000	(1200)	12000
02	भारत सरकार (शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय) द्वारा मान्याता प्राप्त स्वैच्छिक हिन्दी संगठनों द्वारा संचालित की जाने वाली परीक्षा	हिन्दी शिक्षण योजना के प्राज्ञ के समकक्ष	(600)	6000	(600)	6000	(900)	9000	(1200)	12000
03	केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (पत्राचार) द्वारा संचालित डिप्लोमा पाठयक्रम	हिन्दी शिक्षण योजना के प्राज्ञ के समकक्ष	(600)	6000	xxxx	xxxx	(900)	9000	xxxx	xxxx
04	हिन्दी टंकन/हिन्दी आशुलिपि	xxxx	(500)	2500	(500)	2500	(750)	3750	(1000)	5000
05	इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ बैंकर्स के बैंकिंग उन्मुख परीक्षा हिन्दी में	बैंकिंग उन्मुख परीक्षा हिन्दी में उत्तीर्ण करना	xxxxx	xxxxx	(500)	3000	xxxxx	xxxxxx	xxxxxx	xxxxxx
06	अंग्रेजी टंककों/ आशुलिपिकों को हिन्दी प्रोत्साहन भत्ते	टंकक	(80 प्र.मा)		160 प्र.मा					
		आशुलिपिक	(120 प्र.मा)		240 प्र.मा					

"पारंगत" परीक्षा उत्तीर्ण करने पर नकद प्रोत्साहन संबंधी विवरण नीचे दिया गया है;

क्र. सं.	उत्तीर्णता मानदंड	प्रोत्साहन राशि
1.	55% से 59% अंकों के साथ उत्तीर्ण होने पर	4000.00
2.	60% से 69% अंकों के साथ उत्तीर्ण होने पर	7000.00
3.	70% से अधिक अंक प्राप्त करने पर	10000.00

योजना संबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश;

- ✓ अधीनस्थ कर्मचारियों को छोड़कर हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले सभी अधिकारी और कामगार कर्मचारी हिंदी में प्रवीणता प्राप्त करने के लिए हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "पारंगत" परीक्षा देने के पात्र हैं।
- ✓ राजभाषा नियम 1976 के नियम 10 के अनुसार, वे सभी कर्मचारी जिन्होंने मैट्रिक या उसके समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिंदी विषय के साथ उत्तीर्ण की है या जिन्होंने हिंदी शिक्षण योजना द्वारा आयोजित "प्राज्ञ" परीक्षा या उसके समतुल्य कोई परीक्षा उत्तीर्ण की है या ऐसे कर्मचारी जिन्होंने अभ्यास के आधार पर स्वयं को हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त होने की घोषणा की है, को हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारी माना जाएगा।
- ✓ राजभाषा नियम 1976 के नियम 9 के अनुसार, वे सभी कर्मचारी जिन्होंने मैट्रिक या उसके समतुल्य या उससे उच्चतर कोई **परीक्षा हिंदी माध्यम** से उत्तीर्ण की है अथवा स्नातक या उससे उच्चतर किसी परीक्षा में हिंदी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लिया है; या जिन्होंने स्वयं को हिंदी में **प्रवीणता प्राप्त** होने की घोषणा की है, "पारंगत" परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे।

बरगढ़ शाखा-II में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन – दिनांक 05.03.2022

मार्च 2022 तिमाही के लिए बरगढ़ शाखा-II में दिनांक 05.03.2022 को "पेमेंट बैंक और प्रस्तावित डिजिटल बैंकों की सक्रियता से राष्ट्रीय बैंकों के लिए संभावित चुनौतियां और बचने के उपाय" विषय पर हिन्दी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संबलपुर शाखा- II में आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम की रिपोर्ट – दिनांक 10.12.2021

दिसंबर 2021 तिमाही के लिए संबलपुर शाखा- II में दिनांक 10.12.2021 को "बैंकर्स के लिए सॉफ्ट स्किल्स का महत्व और आवश्यकता" विषय पर हिन्दी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 08.03.2022 को "एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए बैंकिंग उद्योग में महिलाओं की भूमिका" विषय पर हिन्दी में संगोष्ठी का आयोजन"

हमारे कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08.03.2022 के अवसर पर **"एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए बैंकिंग उद्योग में महिलाओं की भूमिका" विषय पर हिन्दी में संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री अजीत कुमार जग्गा, क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक द्वारा की गई। संगोष्ठी में कार्यालय के मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नाएक एवं श्री विकास कुमार राव तथा अन्य स्टाफ सदस्य शामिल रहे। इस कार्यक्रम में हमारी संबलपुर स्थित शाखाओं की महिला स्टाफ सदस्यों को आमंत्रित किया गया। अध्यक्ष महोदय ने सभागार को संबोधित करते हुए कहा बैंकिंग उद्योग में महिला कार्मिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं हमारे समाज का आधारस्तंभ हैं, उन्हें अपने जीवन में दोहरी भूमिका का

निर्वहन करना होता एक ओर वे अपना घर की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाती हैं तथा दूसरी ओर बैंक में अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करती हैं। महिला कार्मिकों ने अपने कार्यनिष्पादन एवं कार्य के सापेक्ष अपनी प्रतिबद्धता साबित की है एवं उच्च प्रबंधन में विभिन्न पदों को सुशोभित किया है। महिला कार्मिकों ने अपने विचार प्रकट किए और अपने-अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सभी महिला कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नाएक ने सभी प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया और इस प्रकार कार्यक्रम का समापन हुआ।

कवि परिचय - जयशंकर प्रसाद

जीवन परिचय:-

जयशंकर प्रसाद बहुमुखी प्रतिभा के धनी साहित्यकार थे। उनका जन्म माघ शुक्ल 10, संवत् 1946 वि. (तदनुसार 30 जनवरी 1889 ई. दिन- गुरूवार) को **काशी के 'सुंघनी साहू'** नामक प्रसिद्ध वैश्य परिवार में हुआ था। उनके यहां तंबाकू का व्यापार होता था। उनके **पिता देवी प्रसाद** और **पितामह शिवरत्न साहू** थे। इनके पितामह परम शिवभक्त और दयालु थे। उनके पिता भी अत्यधिक उदार और साहित्य प्रेमी थे। प्रसाद जी का बचपन सुखमय था। बाल्यकाल में ही उन्होंने अपनी माता के साथ धारा क्षेत्र, ओंकारेश्वर, पुष्कर, उज्जैन और ब्रज आदि तीर्थों की यात्राएं की। यात्रा से लौटने के बाद पहले उनके पिता का और फिर 4 वर्ष पश्चात उनकी माता का निधन हो गया।

प्रसाद जी की शिक्षा, दीक्षा और पालन-पोषण का प्रबंध उनके बड़े भाई संभू रत्न ने किया और क्वींस कॉलेज में उनका नाम लिखवाया, किंतु उनका मन वहां न लगा। उन्होंने अंग्रेजी और संस्कृत का अध्ययन स्वाध्याय से घर पर ही प्राप्त किया। उनमें बचपन से ही **साहित्यानुराग** था। वे साहित्यिक पुस्तकें पढ़ते और काव्य रचना करते रहे। पहले तो उनके भाई उनकी काव्य रचना में बाधा डालते रहे, परंतु जब उन्होंने देखा कि प्रसाद जी का मन काव्य रचना में अधिक लगता है, तब उन्होंने इसकी पूरी स्वतंत्रता उन्हें दे दी।

प्रसाद जी स्वतंत्र रूप से काव्य रचना के मार्ग पर बढ़ने लगे। इसी बीच उनके बड़े भाई शंभूरत्न जी का निधन हो जाने से घर की स्थिति खराब हो गई। व्यापार में भी भारी नुकसान हुआ। पैतृक संपत्ति बेचने से कर्ज से मुक्ति तो मिली, पर वे क्षय रोग का शिकार होकर मात्र 47 वर्ष की आयु में 15 नवंबर, 1937 को इस संसार से विदा हो गए।

जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय:

हिंदी साहित्य में स्थान- युग प्रवर्तक साहित्यकार जयशंकर प्रसाद ने गद्य और काव्य दोनों ही विधाओं में रचना करके हिंदी साहित्य को अत्यंत समृद्ध किया है। **'कामायनी' महाकाव्य** उनकी कालजयी कृति है, जो आधुनिक काल की सर्वश्रेष्ठ रचना कही जा सकती है। अपनी अनुभूति और गहन चिंतन को उन्होंने साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया है। हिंदी साहित्य में जयशंकर प्रसाद का स्थान सर्वोपरि है। **इनकी शैली के विविध रूप इस प्रकार हैं -**

भाषा शैली- प्रसाद जी की भाषा में संस्कृत के तत्सम शब्दों की बहुलता है। भावमयता उनकी भाषा की प्रमुख विशेषता है। इनकी भाषा में मुहावरों, लोकोक्तियों तथा विदेशी शब्दों का प्रयोग ना के बराबर हुआ है। प्रसाद जी ने विचारात्मक, चित्रात्मक, भावात्मक, अनुसंधानात्मक तथा इतिवृत्तात्मक शैली का प्रयोग किया है।

वर्णनात्मक शैली - प्रसाद जी ने अपने नाटकों उपन्यासों एवं कहानियों में घटनाओं का वर्णन करते समय इस शैली को अपनाया है।

आलंकारिक शैली - प्रसाद जी स्वाभावत: कवि थे, अतः इनके गद्य में भी विविध अलंकारों का प्रयोग मिलता है।

भावात्मक शैली - भावों के चित्रण में प्रसाद जी का गद्य काव्यमयी है। इनकी सभी रचनाओं में इस शैली के दर्शन होते हैं।

चित्रात्मक शैली - प्रकृति वर्णन और रेखा चित्रों में यह शैली मिलती है।

इसके अतिरिक्त सूक्ति शैली, संवाद शैली, विचारात्मक शैली एवं अनुसन्धात्मक शैली का प्रयोग भी प्रसाद जी ने किया है।

रचनाएं:- जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के स्वनाम धन्य रत्न हैं। उन्होंने काव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि सभी विधाओं पर अपनी लेखनी चलाई है।

काव्य- आंसू, कामायनी, चित्राधार, लहर और झरना।

कहानी- आंधी, इंद्रजाल, छाया, प्रतिध्वनि आदि।

उपन्यास- तितली, कंकाल और इरावती।

नाटक- सज्जन, कल्याणी-परिणय, चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, अजातशत्रु, प्रायश्चित, जन्मेजय का नाग यज्ञ, विशाखा और ध्रुवस्वामिनी आदि।

निबंध- काव्य कला एवं अन्य निबंध।

काव्य रचनाएं - जयशंकर प्रसाद की काव्य रचनाएं हैं - कानन कुसुम, महाराणा का महत्व, झरना (1918), आंसू, लहर, कामायानी (1935), और प्रेम पथिक। प्रसाद की काव्य रचनाएं दो वर्गों में विभक्त है। काव्य पथ अनुसंधान की रचनाएं और रससिद्ध रचनाएं । आंसू, लहर तथा कामायानी दूसरे वर्ग की रचनाएं हैं। इन्होंने काम रचना ब्रज भाषा में आरंभ की और धीरे-धीरे खड़ी बोली को अपनाते हुए इस भांति अग्रसर हुए की खड़ी बोली के मूर्धन्य कवियों में उनकी गणना की जाने लगी और वे युग प्रवर्तक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

कहानी संग्रह -

कथा के क्षेत्र में प्रसाद जी अपने ढंग की कहानियों के आरंभयिता माने जाते हैं। सन **1912 ईस्वी में इंदु** में उनकी **पहली कहानी ग्राम** प्रकाशित हुई। उन्होंने कुल 72 कहानियां लिखि है। उनके कहानी संग्रह हैं, छाया ,प्रतिध्वनि आकाशदीप, आंधी और इंद्रजाल।

इनकी अधिकतर कहानियों में भावना की प्रधानता है किंतु उन्होंने यथार्थ की दृष्टि से भी कुछ श्रेष्ठ कहानियां लिखि है। उनकी वातावरण प्रदान कहानियां अत्यंत सफल रही है। उन्होंने ऐतिहासिक एवं पौराणिक कथानको पर मौलिक एवं कलात्मक कहानियां लिखी हैं। भावना प्रधान प्रेम कथाएं समस्या मूलक कहानियां लिखी हैं। उन्होंने उत्तम कहानियां भी लिखी है यह कहानियां भावनाओं की मिष्ठान तथा कविता से पूर्ण है।

पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद को **कामायानी** पर **मंगला प्रसाद पारितोषिक** प्राप्त हुआ था।

काव्य रचना

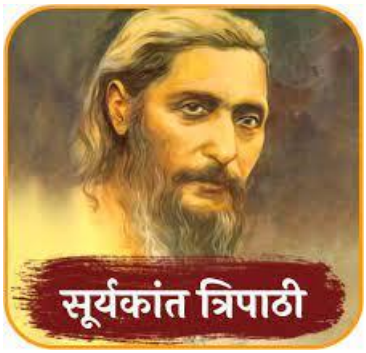

“कुंज-कुंज कोयल बोली है”

कुंज-कुंज कोयल बोली है,
स्वर की मादकता घोली है।

कांपा है घन पल्लव-कानन,
गूँजी गुहा श्रवण-उन्मादन,
तने सहज छादन-आच्छादन,
नस ने रस-वशता तोली है।

गृह-वन जरा-मरण से जीकर
प्राणों का आसव पी-पीकर
झरे पराग-गन्ध-मधु-शीकर,
सुरभित पल्लव की चोली है।

तारक-तनु रवि के कर सिंचित,
नियमित अभिसारक जीवित सित,
आमद-पद-भर मंजु-गुंजरित
अलिका की कलिका डोली है।

..... सूर्यकांत त्रिपाठी “निराला”

प्रेरक- कहानी

ज़िन्दगी के पत्थर, कंकड़ और रेत

दर्शन-शास्त्र के एक प्रोफेसर ने कुछ चीजों के साथ एक कक्षा में प्रवेश किया। जब कक्षा शुरू हुई तो उन्होंने एक बड़ा सा खाली शीशे का जार लिया और उसमे पत्थर के बड़े-बड़े टुकड़े भरने लगे. फिर उन्होंने छात्रों से पूछा कि क्या जार भर गया है ? और

सभी ने उत्तर दिया ***"हाँ"***

तब, प्रोफेसर ने छोटे-छोटे उसी जार में कंकड़ों को भरा। जार को थोड़ा हिलाने पर ये कंकड़ पत्थरों के बीच व्यस्थित हो गए। एक बार फिर उन्होंने छात्रों से पूछा कि क्या जार भर गया है? और

सभी ने ***"हाँ"*** में उत्तर दिया।

तभी, प्रोफेसर ने जार में रेत डालने लगे। रेत ने बची-खुची जगह भी भर दी। उन्होंने एक बार फिर पूछा कि क्या जार भर गया है? और

सभी ने एक साथ उत्तर दिया, ***"हाँ"***

फिर प्रोफेसर ने समझाना शुरू किया, "मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझें कि ये जार आपकी जीवन को दर्शाती है। बड़े-बड़े पत्थर आपके जीवन की ज़रूरी चीजें हैं - आपका परिवार, आपका जीवनसाथी, आपका, स्वास्थ्य, आपके बच्चे – ऐसी चीजें कि अगर आपकी बाकी सारी चीजें खो भी जाएँ और सिर्फ ये रहे तो भी आपकी जिन्दगी पूर्ण रहेगी।

ये कंकड़ कुछ अन्य चीजें हैं जो जीवन में मायने रखतीं रखती हैं- जैसे कि आपकी नौकरी, आपका घर, इत्यादि।

और ये रेत बाकी सभी छोटी-मोटी चीजों को दर्शाती है।

अगर आप जार को पहले रेत से भर देंगे तो कंकड़ों और पत्थरों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। यही आपके जीवन के साथ होता है। अगर आप अपना सारा समय और उर्जा छोटी-छोटी चीजों पर लगा देंगे तो आपके पास कभी उन चीजों के लिए समय नहीं होगा जो आपके लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन चीजों पर ध्यान दीजिये जो आपकी खुशी के लिए ज़रूरी हैं।

पहले पत्थरों पर ध्यान दीजिये – ऐसी चीजें जो सचमुच जीवन के लिए मायने रखती हैं। अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कीजिये। बाकी चीजें बस रेत हैं।"

क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर को प्राप्त प्रशंसा-पत्र”

केनरा बैंक Canara Bank

अध्ययन व विकास शीर्ष/ LEARNING & DEVELOPMENT VERTICAL
मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय उपभवन/ HUMAN RESOURCES WING, HO ANNEX
केनरा बैंक प्रबंधन संस्थान, मणिपाल/ CANARA INSTITUTE OF BANK MANAGEMENT, MANIPAL

Congratulations
Sambalpur RO

100% Eligible Officers (Scale 1 to 5- 204 Officers) have completed 12 Mandatory Courses in CanDLE
Under the able guidance of
Shri. Babulal Meena, General Manager,
Circle Office, Bhubaneswar

Shri. Ajit Kumar Jagga
Assistant General Manager and RO Head

एच के गंगाधर/ H K GANGADHAR
उ.म.प्र & मुख्य शिक्षण अधिकारी/
DGM & CHIEF LEARNING OFFICER

CanDLE

केनरा बैंक Canara Bank

GLs & Housekeeping Section
Reconciliation Wing, H.O., Bangalore

Series No.259/2022 Date: 22.04.2022

Congratulations !!!
Sambalpur RO [07983] - Bhubaneswar Circle

NIL Pendency in SD SL BAR & IBA Above 1 Month Entries as on 08-APR-2022

Circle	Circle-Head
Bhubaneswar	Sri Babulal Meena, GM

Name	Designation
Sri Ajit Kumar Jagga	AGM & Regional Manager
Sri Vikas Kumar Rao	DM & Section Over-seeing Executive
Sri Amit Kumar Pramanik	Section Head, GA Section
Sri Byasadev Nath	Officer, GA Section

Kindly accept my Hearty Congratulations

S K Senapati
General Manager

केनरा बैंक Canara Bank
Vijaya Syndicate

AF & PS SECTION, CIRCLE OFFICE, BHUBANESWAR
SECTIONAL CIRCULAR: NO -21-AFPS/COBBSR/GL /2021-22 18TH April 2022

GOLD LOAN TARGET ACHIEVER FOR FY 2021-22

(SHRI AJIT KUMAR JAGGA, REGIONAL HEAD)

(SRI VIKASH KUMAR RAO,DM) (DEEPAK KU JUNEJA,AFPS IN CHARGE) (GOPINATH MEHER, OFFICER)

Congratulations!

TO SAMBALPUR RO & ENTIRE TEAM FOR ACHIEVING THE GOLD LOAN TARGET FOR FY 2021-22.

CONTINUE THE SAME ZEAL & BE THE TARGET ACHIEVER FOR THE FY 2022-23

!!!BEST WISHES!!!

well done!

B L MEENA
GENERAL MANAGER

केनरा बैंक Canara Bank
Vijaya Syndicate

Dear Regional Head, *Date : 04.04.2022*
SAMBALPUR RO; BHUBANESWAR CO

SUB: ACHIEVEMENT OF GOLD LOAN TARGET FOR MARCH 2022.

We are pleased to note that you have surpassed the set target under Gold Loan for the year ending March 2022.

In today's Banking environment with stiff competition, your achievement of target shows the sincerity and hard work put in by you & your team in the field.

I convey my heartfelt congratulations in achieving the target & appreciate your Pro-active involvement and place the same on record.

We also convey our special wishes to the Branch Heads, Gold Loan Plaza in-charges, Gold Loan officers and all other staff in the branch who have proved that "The destiny of hard work is always success".

We sincerely hope you will continue to lead success with same passion & excellence to surpass the set targets under Gold Loan for the ensuing FY 2022-23.

Wishing you and your team members Best of luck and success in all your future endeavours.

Facing challenges with strength, determination and confidence is what matters and you have done it.

Victory for someone who dares to try...

All the intimate delights of Bank are associated with such classy performances...

BHAVENDRA KUMAR
CHIEF GENERAL MANAGER

GOLD LOAN WING, HEAD OFFICE BENGALURU

क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर द्वारा शाखाओं को जारी प्रशंसा-पत्र"

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate

संस/Ref no.- ADV:SECTIONAL BULLETIEN 03/2022-23 दिनांक/DATE: 02.04.2022

खुदरा ऋण के तहत लक्ष्य प्राप्तकर्ता
RETAIL TARGET SMASHERS
FY 2021-22

हार्दिक बधाई Congratulations

To the Team Leaders and Their Vibrant Teams...

DPCD	BRANCH NAME	BRANCH INCHARGE
185	SAMBALPUR	SRI DEBADUTTA LENKA
1498	GOMARDIH MINES	SRI ROSHAN TETE
2805	JHARSUGUDA.	SRI SANGEET PARICHHA
3140	BARGARH	SRI ANJAN KUMAR SAHU
3142	BALANGIR	SRI MILAN KUMAR PANDA
3388	RENGALI	SRI BIKRANT BERIHA
3391	SUNDARGARH	SRI DEBASISH BHOI
4129	SONPUR	SRI MAHIMA PRASAD SAHOO
4135	REDHAKHOL	SRI SOURAV KUMAR SAHU
4425	SME JHARSUGUDA	SRI NIRANJA MEHER
4910	NUAPADA	SRI ADITYA KUMAR SAHOO
4917	BUDHARAJA	SRI NIRAKAR BHOI
5826	HANDIBHANGA	SRI PRAFULLA KUMAR TUDU
6045	KOCHINDA	SRI MANISH KUMAR
6104	ATTABIRA	SRI SATISH KUMAR PATEL
6128	KANTABANJI	SRI SIBA PRASAD SAHOO
6150	PANPOSH	SRI RAJESH KUMAR BUDEK
17279	FERTILIZER TOWNSHIP ROURKELA	SRI DINESH AGARWAL
18020	TITLAGARH	SRI CHANDRA MOHAN KUMBHAR
18022	NAREN	SRI SUBHASIS THAKUR
18023	BALANGIR	SRI BIMAL KUMAR MITTAL
18060	SAMBALPUR	SRI BIJAY KUMAR NAIK
18061	AINTHAPALI	SRI RUPESH KUMAR GARTIA
18062	BURLA	SRI UTKALESWAR PADHAN
18065	ROURKELA	SMT NIDHI RAJAN
18089	DEOGAON	SRI ASHUTOSH PRADHAN
18099	KEONJHAR ANANDPUR	SRI SUDHIR EKKA

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate

ADV:SECTIONAL BULLETIEN 01/2022-23 DATE: 02.04.2022

समग्र अग्रिम संविभाग के तहत लक्ष्य प्राप्तकर्ता
AGG ADVANCES TARGET SMASHERS
FY 2021-22

हार्दिक बधाई Congratulations

To the Team Leaders And Their Vibrant Teams...

DPCD	BRANCH NAME	BRANCH INCHARGE
185	SAMBALPUR	SRI DEBADUTTA LENKA
395	ROURKELA (MAIN)	SRI SATYESHWAR SINGH PARMAR
3140	BARGARH	SRI ANJAN KUMAR SAHU
3142	BALANGIR	SRI MILAN KUMAR PANDA
3391	SUNDARGARH	SRI DEBASISH BHOI
3522	ANANDAPUR	SRI DEBADATTA BASKEY
4129	SONPUR	SRI MAHIMA PRASAD SAHOO
4425	SME JHARSUGUDA	SRI NIRANJA MEHER
4910	NUAPADA	SRI ADITYA KUMAR SAHOO
4917	BUDHARAJA	SRI NIRAKAR BHOI
6045	KOCHINDA	SRI MANISH KUMAR
6104	ATTABIRA	SRI SATISH KUMAR PATEL
6150	PANPOSH	SRI RAJESH KUMAR BUDEK
6789	PARIMAL	SRI PRIYATOSH PADHAN
17279	FERTILIZER TOWNSHIP ROURKELA	SRI DINESH AGARWAL
18020	TITLAGARH	SRI CHANDRA MOHAN KUMBHAR
18022	NAREN	SRI SUBHASIS THAKUR
18023	BALANGIR	SRI BIMAL KUMAR MITTAL
18060	SAMBALPUR	SRI BIJAY KUMAR NAIK
18061	AINTHAPALI	SRI RUPESH KUMAR GARTIA
18062	BURLA	SRI UTKALESWAR PADHAN
18065	ROURKELA	SMT NIDHI RAJAN
18075	ANGUL	SRI SHANTANU KUMAR MOHANTY
18099	KEONJHAR ANANDPUR	SRI SUDHIR EKKA

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate

संस/Ref.: ADV:SECTIONAL BULLETIEN 02/2022-23 दिनांक/DATE: 02.04.2022

एमएसएमई संविभाग के तहत लक्ष्य प्राप्तकर्ता
MSME TARGET SMASHERS
FY 2021-22

हार्दिक बधाई Congratulations

To the Team Leaders And Their Vibrant Teams...

DPCD	BRANCH NAME	BRANCH INCHARGE
6789	PARIMAL	SRI SUBRAT MEHER
5929	BONAIGARH	SRI RAM CHANDRA MAJHI
18062	BURLA	SRI UTKALESWAR PADHAN
6045	KOCHINDA	SRI MANISH KUMAR
4129	SONPUR	SRI MAHIMA PRASAD SAHOO
4911	DEOGARH	SRI JANMEJAYA SAHU
6104	ATTABIRA	SRI SATISH KUMAR PATEL
3391	SUNDARGARH	SRI DEBASISH BHOI
17279	FERTILIZER TOWNSHIP ROURKELA	SRI DINESH AGARWAL
2888	RAJGANGPUR	SRI TRIBHUBAN NARAYAN BEHERA
3142	BALANGIR	SRI MILAN KUMAR PANDA
4910	NUAPADA	SRI ADITYA KUMAR SAHOO
18065	ROURKELA	SMT NIDHI RAJAN
185	SAMBALPUR	SRI DEBADUTTA LENKA
4425	SME JHARSUGUDA	SRI NIRANJA MEHER
395	ROURKELA (MAIN)	SRI SATYESHWAR SINGH PARMAR

JOB WELL DONE, KEEP IT UP

"That some achieve great success, is proof to all others that they also can achieve it as well".

अजीत कुमार/AJit Kumar
क्षेत्रीय प्रमुख/Regional Head

अग्रिम अनुभाग, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर/ADVANCES SECTION, REGIONAL OFFICE, SAMBALPUR

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate

संस/Ref no.- AFPS/RO/SAM/AGRI/2021/21 दिनांक/Date:07.12.2021

कृषिगत ऋण के तहत दिसंबर तिमाही 2021 का लक्ष्य हासिल करने वाली शाखाएं
TARGET ACHIEVER UNDER CORE AGRI FOR THE DECEBER 2021 QTR

डीपीसीडी/DPCD	शाखा का नाम/ Branch Name	शाखा प्रभारी का नाम/ Name of Branch Head
4425	JHARSUGUDA SME	SHRI NIRANJAN MEHER
3140	BARGARH	SHRI ANJAN KUMAR SAHU
185	SAMBALPUR	SHRI DEBADUTTA LENKA
3142	BALANGIR	SHRI MILAN KUMAR PANDA
18075	ANGUL II	SHRI SHANTANU KUMAR MOHANTY
6045	KOCHINDA	SHRI MANISH KUMAR
18022	NAREN	SHRI SUBHASIS THAKUR
4135	REDHAKHOL	SHRI SOURAV KUMAR SAHU
3369	CHHENDIPADA	SHRI ABHILASH KUMAR HOTA
6789	PARLIMAL	SHRI PRIYATOSH PADHAN

हार्दिक बधाई

शुभकामनाओं सहित/With Best wishes,

(अजीत कुमार/ AJIT KUMAR)
क्षेत्रीय प्रमुख/ Regional Head

एएफ एंड पीएस अनुभाग, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर /AF&PS Section,Regional Office, Sambalpur

केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार

20 अप्रैल, 2022 भुवनेश्वर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'एक दिवसीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भुवनेश्वर की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह' में केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भुवनेश्वर द्वारा प्रदान की जाने वाली यह पुरस्कार राजभाषा के क्षेत्र में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भुवनेश्वर स्तर पर सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह पुरस्कार प्राप्त करना केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर के लिए गर्व की बात है।

उक्त कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक (SBI), भुवनेश्वर के संयोजन में आयोजित "**ऑनलाइन हिंदी पत्र लेखन प्रतियोगिता**" के लिए श्री अमित कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, सुरक्षा कक्ष, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर को प्रथम पुरस्कार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), भुवनेश्वर के संयोजन में आयोजित **"ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता" में** श्री सुधीर रंजन राउत, अधिकारी, तकनीकी प्रबंधन अनुभाग, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

"नराकास, संबलपुर द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर को प्रोत्साहन पुरस्कार"

दिनांक 25.11.2021 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की छमाही बैठक में हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को वित्त वर्ष 2020-21 में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए "प्रोत्साहन पुरस्कार" प्रदान किया। इस बैठक में राजभाषा विभाग,क्षेकाका (पूर्व), कोलकाता के सहायक निदेशक (कार्या.) श्री निर्मल कुमार दुबे एवं नराकास के प्रभारी अध्यक्ष से सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा जी ने शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। इस बैठक में राजभाषा अधिकारी श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू को भी राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते सहा. महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार एवं राजभाषा अधिकारी श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर

Town Official Language Implementation Committee, Sambalpur

सत्यमेव जयते

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

Govt of India, Ministry of Home Affairs, Dept of Official Language

संयोजक - महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

MCL

राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार-2020-21

प्रशस्ति-पत्र

वर्ष 2020-21 में कैनेरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को

राजभाषा के प्रगामी प्रयोग में उत्कृष्ट कार्य हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

की ओर से प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया जाता है ।

(केशव राव)

निदेशक(कार्मिक) एवं

अध्यक्ष, नराकास, संबलपुर

प्रस्तुति: डॉ. अनन्या नाएक पुत्री श्री सुशांत कुमार नाएक, मंडल प्रबंधक,
क्षेका संबलपुर द्वारा बनाई गई कलाकृति (मंडल आर्ट)